

प्रेषक

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

महानिदेशक
चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड शासन।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 31 दिसम्बर, 2008

विषय : निर्माणाधीन रुद्रपुर मेडिकल कालेज जनपद ऊधमसिंहनगर की स्थापना हेतु 300 शैययायुक्त टीचिंग हास्पिटल के भवन निर्माण कार्य हेतु धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पूर्व शासनादेश संख्या-154/XXVIII(1)-2007-38/2004 दिनांक 31 मार्च, 2004, शासनादेश संख्या-485/XXVIII(1)-2007-38/2004टी.सी.-III दिनांक 25 मार्च, 2007 तथा शासनादेश संख्या 277/XXVIII(1)/2007-38/2004TC-III दिनांक 20 मार्च, 2008 का सदर ग्रहण करने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रुद्रपुर मेडिकल कालेज, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर की स्थापना हेतु 300 शैययायुक्त टीचिंग हास्पिटल के भवन निर्माण के अन्तर्गत निम्नांकित निर्माणाधीन 04 भवनों के निर्माण हेतु रु० 1396.46 लाख के लागत की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सहित पूर्व में अवमुक्त धनराशि के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2008-09 में धनराशि रु० 300.00 लाख (रुपये तीन करोड़ मात्र) व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन राहस्य स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि से मेडिकल कालेज/हास्पिटल के अन्य नये कार्य को प्रारम्भ न किया जाये एवं इसका उपयोग केवल उक्त चार निर्माणाधीन भवनों के कार्यों को स्वीकृत लागत के अन्तर्गत पूर्ण करने हेतु किया जाये।
- 2- स्वीकृति धनराशि आहरित कर सम्बन्धित निर्माण एजेंसी परियोजना प्रबन्धक सी० एण्ड डी० एस० उ० प्र० जलनिगम को एक सप्ताह के अन्दर हस्तांतरित कर दी जायेगी। कार्य कराते समय स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
- 3- पी० पी० पी० के अन्तर्गत मेडिकल कालेज के संचालन तथा अवशेष नये निर्माण कार्य कराये जाने हेतु possibility/feasibility का परीक्षण कर लिया जाये व मेडिकल कालेज स्थापना का प्रस्ताव आगामी व्यव वित्त समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जाय।
- 4- मेडिकल कालेज की स्थापना हेतु अग्रेत्तर कोई निर्माण बिना व्यव वित्त समिति की स्वीकृति के न किया जाय।

- 5- विभिन्न निर्माण कार्य हेतु third party quality assurance की व्यवस्था सी0बी0आर0आई0 रुडकी या किसी प्रतिष्ठित निजी एजेंसी से की जाये एवं इस पर होने वाला व्यय सन्टेज चार्ज से वहन किया जाये।
- 6- जो कार्य कराये जा रहे हैं उन्हें एम0सी0आई0 मानकों में दी गयी चैक लिस्ट के अनुसार सुनिश्चित कर ले एवं इन्हें विभाग द्वारा सत्यापित करा लिया जाये तथा उन्हीं कार्यों को कराया जाये जो एम0सी0आई0 के मानकों में निर्धारित हैं।
- 7- एम0सी0आई0 के मानकों के आधार पर निर्माण कार्यों को न्यूनतम लागत पर पूर्ण कराया जाये। यह सुनिश्चित किया जाय कि भवनों का निर्माण एम0सी0आई0 के मानकों के अनुसार किया जाए तथा इसका प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया जाए ताकि एम0सी0आई0 द्वारा निरीक्षण के समय निर्मित भवनों को अस्वीकृत न किया जा सके।
- 8- कार्य कराते समय स्वीकृत धनराशि का उपयोग मानकों के अनुरूप कार्य की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए किया जाय। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा। किसी भी परिस्थिति में निर्माण एजेंसी द्वारा प्रस्तावित कार्यों की subcontracting नहीं की जायेगी।
- 9- उक्त धनराशि यथा आवश्यकता आहरित की जायेगी।
- 10- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 11- आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के जर्जीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार सक्षम अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 12- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 13- आगमन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाए एवं उपयुक्त सामग्री का प्रयोग ही किया जाए।
- 14- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए सक्षम अधिकारी द्वारा प्रचलित दरें/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 15- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आखिर दशा में मह 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करायी जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 16- योजना के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े।
- 17- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में अनुदान सल्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-विकित्ता तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-03-विकित्ता शिक्षा

प्रशिक्षण तथा अनुसंधान -105-एलोपैथी-05-रूद्रपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु वैश्व चिकित्सालय का उच्चीकरण-24-बृहद निर्माण कार्य के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि का नामें डाला जायेगा।

18- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 491(P)/वित्त अनुभाग -3 /2008 दि0 23दिसम्बर 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 राकेश कुमार)
सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 प्रमुख सचिव मा0 मुख्यमंत्री जी।
- 2 निजी सचिव, मुख्य सचिव।
- 3 महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
- 4 सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5 निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6 जिलाधिकारी, ऊछमसिंहनगर।
- 7 वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8 कोषाधिकारी, ऊछमसिंहनगर।
- 9 परियोजना प्रबन्धक, सी0एण्ड डी0 एस0 जलनिगम ऊछमसिंहनगर उत्तराखण्ड।
- 10 बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशोधन निदेशालय, राणियासथ, देहरादून।
- 11 वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एनआईसी।
- 12 गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

रुपम

(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।